Www.haryanautsav.com

राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

साप्ताहिक

हरियाणा उत्सव

वर्ष : 5 | अंक : 17 | प्रति शुल्क : 2/- | होली विशेषांक 2022 | कुल पृष्ठ : 4 | RNI No. HARHIN/2016/75595

भगवंत मान बने पंजाब के नए सीएम

शपथ लेते ही मंच से आम आदमी पार्टी विधायकों को दे डाली नसीहत

हरियाणा उत्सव

पंजाब : आम आदमी पार्टी के नेता भगवंत मान अब पंजाब के नए मुख्यमंत्री (17वें) बन गए हैं| शहीद भगत सिंह के पैतृक गांव खटकड़कलां में भगवंत मान ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली| पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने भगवंत मान को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। बतादें कि, भगवंत मान ने शपथ समारोह में पूरे पंजाब को न्योता दे रखा था| जहां भारी संख्या में लोग उनके शपथ समारोह में पहुंचे| इसके अलावा इस दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित कई राजनीतिक नेताओं और तमाम दिग्गज हस्तियों की मौजूदगी रही| शपथ लेने के बाद भगवंत मान ने लोगों को संबोधित किया.....पंजाब सीएम की शपथ लेने के बाद भगवंत मान ने मंच से उनके शपथ समारोह में आये लोगों को सम्बोधित किया| भगवंत मान ने कहा कि पहले तो मैं उन सभी लोगों का धन्यवाद करता हूं जो पंजाब के कोने-कोने से यहां उनके शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आये| खटकड़कलां में शपथ ग्रहण समारोह रखने पर भगवंत मान ने कहा कि यहां आने की एक खास वजह है। पहले शपथ ग्रहण महलों या कोई अन्य जगह या फिर राजभवन में होते थे। लेकिन अब शपथ ग्रहण समारोह शहीदों के गांव आया है। जिन्होंने हमें ये देश दिया उन्हें याद तो करें, केवल 23 मार्च और 28 सितंबर को थोड़ी याद करना है। वे हमारे दिल में बसे हैं| भगवंत मान ने आगे कहा कि लोगों ने बहुत प्यार दिया है, मैं इसके लिए आभारी हूं| और मैं किसी की भी निंदा या चुगली नहीं करना चाहता और मैं लोगों से और अपने साथियों से भी कहता हूं कि वह भी ऐसा न करें| भगवंत मान ने कहा कि अहंकार कतई नहीं करना है, किसी पर धौस नहीं जमानी है| मान ने कहा कि हमें उन लोगों का भी साथ देना होगा जिन्होंने हमें वोट नहीं दिया| हमारी सरकार उनकी भी सरकार है| ये लोकतंत्र है, यहां कोई किसी को भी वोट डाल सकता है| मान ने कहा कि ऐसी कोई खबर नहीं आनी चाहिए कि हम अहंकार कर रहे हैं| क्योंकि ध्यान रहे कि पब्लिक सबसे बड़ी है| इसी ने अर्श पर पहुंचाया है और यही फर्श पर भी ले आती है|

मान ने कहा कि पंजाब के

लोग बाहर को भाग रहे हैं लेकिन हमें अब यहीं रहना है| हमें यहां रहकर सबकुछ ठीक करना है। दूसरे देशों में हमें धक्के नहीं खाने। यहीं रहकर काम करेंगे। खेती, रोज़गार, व्यापार, स्कूल, अस्पताल कहानी बहुत उलझी पड़ी है। आप लोगों के साथ मिलकर इसे सुलझाना है| मान ने कहा कि जैसे दिल्ली में लोग विदेशों से स्कूल देखने आते हैं, मोहल्ला क्लीनिक देखने आते हैं वैसे ही हम पंजाब में स्कूल और अस्पताल ऐसे बनाएंगे कि विदेशों से लोग यहां स्कूल और अस्पताल देखने आएंगे| मान ने कहा कि हम आज से ही काम शुरू कर देंगे क्योंकि पहले से ही बहुत देरी हो चुकी है|

हरियाणा में पिछले तीन साल में वृद्धावस्था पेंशनरों में जुडे 4 लाख 60 हजार बुजुर्ग

हरियाणा उत्सव

चण्डीगढ़: मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हरियाणा सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्यरत है। समाज में अंतिम पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे, यह प्रदेश सरकार की प्राथमकिता है। इसी श्रृंखला में सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा बुजुर्गों को पेंशन दी जाती है। प्रदेश में पिछले तीन साल में 4 लाख साठ हजार से अधिक बुजुर्गों की पेंशन शुरू की गई है यानि प्रतिमाह औसतन करीब 12000 बुजुर्गों को पेंशन से जोड़ा गया है।प्रदेश में वर्ष 2004 में 9.95 लाख लाभार्थियों को 300 रुपए बुढ़ापा पेंशन मिलती थी जिस पर 358 करोड़ रुपए का वार्षिक खर्च था। 2014 में 13.47 लाख बुजुर्गों को 1000 रुपए प्रतिमाह के हिसाब से बुढ़ापा पेंशन दी जाती थी, इस पर 1617 करोड़ रुपए खर्च होते थे। वर्ष 2022 में 17.45 लाख बुजुर्गों को 2500 रुपए मासिक पेंशन मिलती है, इस पर 5234 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं।

इस लिहाज से देखा जाए तो पिछले सात साल में पेंशन पर होने वाले खर्च को सरकार ने करीब साढे तीन गुणा कर दिया है.आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2019 में 171026, 2020 में 129016, 2021 में 132758 और वर्ष 2022 में अब तक 27398 बुजुर्गों को बुढ़ापा पेंशन शुरू हुई है।

ऐसे में देखा जाए तो प्रदेश में पिछले तीन साल में 460198 बुजुर्गों को पेंशन लगी है। इसकी औसत देखी जाए तो प्रतिमाह करीब 12000 बुजुर्गों को पेंशन से जोड़ा गया है। इस बीच, वर्ष 2019 से 2022 तक विभिन्न कारणों से 2,77,676 बुजुर्गों की पेंशन बंद की गई है। इनमें से 2,41,183 बुजुर्गों की पेंशन मृत्यु होने पर बंद की गई है।सरकार ने वृद्धावस्था सम्मान भत्ते को परिवार पहचान पत्र के साथ भी जोड़ दिया है। इससे यह भत्ता पाने के लिए लोगों को कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। व्यक्ति की आयु 60 वर्ष की होने पर उसकी वृद्धावस्था पेंशन खुद ब खुद लग जाएगी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल का कहना है कि प्रदेश में हर हकदार को पेंशन अवश्य मिलेगी।

गोहाना के कई गांवों में दोबारा होगा फसल नुकसान का सर्वे, डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने दिए आदेश

हरियाणा उत्सव/भंवर सिंह बोहत

चंडीगढः हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बताया कि गोहाना विधानसभा क्षेत्र के गांवों में भारी वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुई फसलों की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया जाएगा, जो विधायक जगबीर मलिक व निर्मल रानी के साथ मौके पर कल जाकर मुआयना करेगी। यह आश्वासन हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने आज विधानसभा सत्र के दौरान सदन के एक सदस्य द्वारा उठाए गए सवाल के जवाब में दिया।

दुष्यंत चौटाला ने बताया कि उन्होंने गोहाना विधानसभा क्षेत्र के गांवों गढ़ी हकीकत व रतनगढ़ का एक ही रिवेन्यू एस्टेट है जिसकी रबी 2021-22 की प्राथमिक रिपोर्ट में कुल 600 एकड़ में फसल खराब होना बताया गया है। जलभराव के कारण 160 एकड़ में फसलों की बिजाई नहीं हो पाई। इसी प्रकार गांव बागडू में 400 एकड़ में फसल खराब हुई व 80 एकड़ में जलभराव के कारण फसलों की बिजाई नहीं हुई, गांव जाट माजरा में 160 एकड़ में फसल खराब हुई तथा 10 एकड़ में जलभराव के कारण बिजाई नहीं हो पाई तथा गांव हुल्लाहेड़ी में 80 एकड़ में फसलें खराब हुई व 10 एकड़ में जलभराव के कारण बिजाई नहीं हो पाई है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अगर सदन के सदस्य को लगता है कि अब भी कुछ क्षेत्र में खराब हुई फसलों की गिरदावरी नहीं हो पाई है तो वे अधिकारियों को आदेश देते हैं कि तीन अधिकारियों की एक कमेटी को विधायक जगबीर मलिक व विधायक श्रीमती निर्मल रानी के साथ मुआयना करने के लिए भेज देंगे, फिर कमेटी एक सप्ताह में रिपोर्ट भेज देगी।

निगम एक्सईएन पुराने भवन व एसडीओ के कार्यालय चल रहे किराए के भवन में

-उपभोक्ताओं को इधर-उधर अधिकारियों के लगाने पड़ते हैं चक्कर

हरियाणा उत्सव/भंवर सिंह बोहत

गोहाना: बिजली निगम के अधिकारियों के कार्यालय किराए के भवनों में चल रहे हैं। सभी कार्यालय इधर-उधर बने हुए हैं। उपभोक्ताओं को काम कराने के लिए इधर-उधर चक्कर लगाने पड़ते हैं। बिजली निगम ने दूसरी बार कार्यालयों का निर्माण के लिए प्रस्ताव व रिमाइंडर भेजा है। सभी अधिकारियों के कार्यालय एक ही छत के नीचे होंगे तो उपभोक्ताओं को सुविधा होगी।

अधिकारियों के कार्यालय बनाने के लिए महम रोड स्थित बिजली सब स्टेशन के पास उत्तर हरियाणा वितरण बिजली निगम की प्रस्तावित जमीन पड़ी है। यहां पर एक स्टोर भी बनाय गया है। स्टोर के पास ही बिजली निगम के भवन का निर्माण किया जाना है। बिजली निगम के एक्सईन द्वारा करीब चार साल पहले भवन के निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा था। उसके बाद मुख्यालय ने भवन निर्माण के प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में रख दिया। निगम के अधिकारयों ने दोबारा से रिमाइंडर बना कर मुख्यालय के पास भेजा है।

अलग-अलग कार्यालय होने पर उपभोक्ताओं को होती है परेशानी

गोहाना में तीन एसडीओ के कार्यालय और एक एक्सईएन कार्यालय है। चारों कार्यालय शहर के अलग-अलग जगहों पर चल रहे हैं। अलग-अलग होने से उपभोक्ताओं को काम कराने के लिए इधर-उधर चक्कर लगाने पड़ते हैं। निगम अधिकारियों की तरफ से उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए एक ही छत के नीचे कार्यालय बनाने की मांग भेजी गई है।

-किस अधिकारी का कार्यालय कहां पर चल रहा है।

निगम के एक्सईएन का कार्यालय महम रोड स्थित सब स्टेशन में एचवीपीएन के पुराने भवन में चल रहा है।

गोहाना सब डिवीजन एसडीओ का कार्यालय बरोदा रोड स्थित शीतला माता मंदिर के पास।

कथूरा सब डिवीजन के एसडीओ का कार्यालय बरोदा रोड स्थित रेलवे फाटक के पास।

गोहाना सब अर्बन एसडीओ का कार्यालय रोहतक रोड से गुढ़ा रोड पर चल रहा है।

सभी अधिकारियों के भवन बनाने के लिए करीब चार साल पहले मांग भेजी गई थी। सभी अधिकारियों के कार्यालय एक ही छत के नीचे बनाने के लिए उच्च अधिकारियों के पास दोबारा से रिमाइंडर भेजा गया है। सभी कार्यालय एक ही छत के नीचे होंगे तो उपभोक्ताओं को सुविधा होगी।

- डीएस छिक्कारा, कार्यकारी अभियंता, बिजली निगम, गोहाना

क्रीमीलेयर की आड में पिछड़ों का आरक्षण खत्म करने की साजिश

हरियाणा उत्सव/ गोहाना

पिछड़ा वर्ग कल्याण महासभा ने गुढ़ा रोड स्थित पिछड़ा वर्ग के भवन में बैठक का आयोजन किया। क्रीमी लेयर को लेकर बैठक में चर्चा की। महात्मा ज्योतिबा फुले प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले, बाबा साहब अंबेडकर को पुष्पांजलि भेंट की। बैठक की अध्यक्षता रामदिया रत्तेवाला ने की। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. आरसी लिंबा मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे।

प्रो. लिंबा ने कहा कि प्रदेश सरकार साजिश के तहत पिछड़ों का आरक्षण खत्म करना चाहती है। आरक्षण विरोधी नीतियों का विरोध करना होगा। भविष्य में जल्द ही हमारा आरक्षण खत्म कर दिया जएगा। अपने अधिकारों को बचाने के लिए अधिकार बचाओ मुहिम से जुड़ना होगा। अधिकार बचाओ मुहिम के तहत पिछड़ा वर्ग कल्याण महासभा और बामसेफ के संयुक्त तत्वावधान में 20 मार्च 2022 को कुरुक्षेत्र की दक्ष प्रजापति धर्मशाला में एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

इस मौके पर प्रदेश महामंत्री भारतीय इंद्र सिंह जाजनवाला, प्रो. शमशेर भंडेरी, रमेश सैनी, कर्मबीर सैनी, छोटेलाल, अशोक भट्टी, महा सिंह पटवा, रामकुमार प्रजापति, रामसिंह सैनी, धर्मवीर प्रजापति , महावीर सरपंच, धर्मराज सैन, अरुण निनानिया, गौरव सैनी आदि मौजूद रहे।

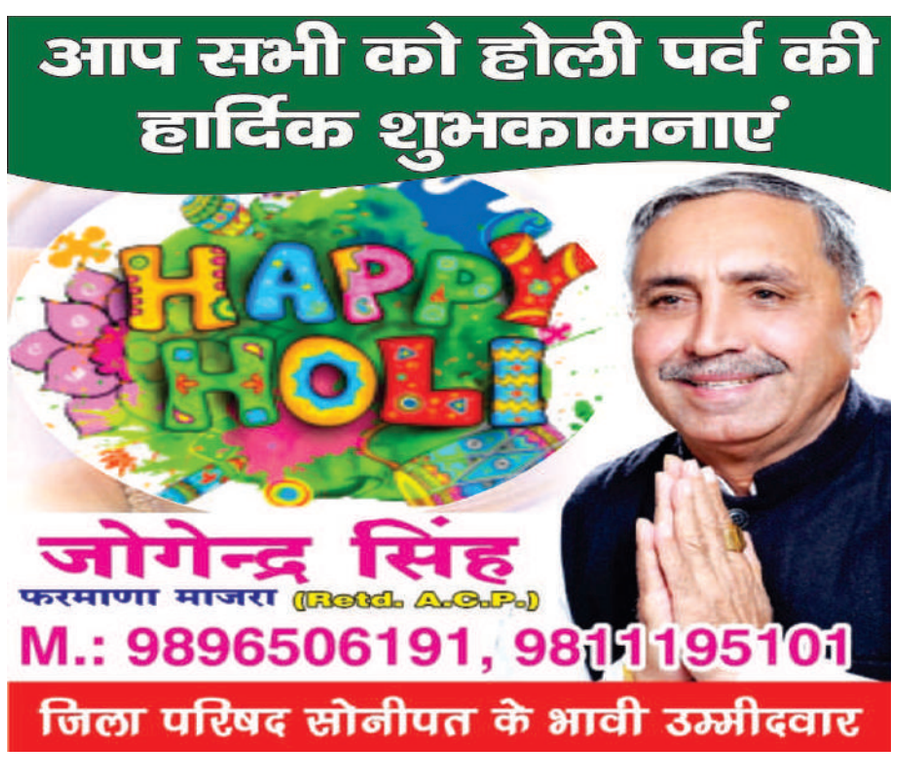

रेलवे लाइन की तरफ खुले अवैध दरवाजे व रास्ते किए बंद

-विरोध की संभावना के चलते भारी पुलिस बल रहा तैनात

हरियाणा उत्सव/ प्रीति सिंघल

गोहाना: रेलवे विभाग ने बृहस्पतिवार को गोहाना में रेलवे लाइन की दोनों तरफ बने अवैध रास्ते और दरवाजों को बंद करने का अभियान चलाया। अभियान के तहत रास्ते और दरवाजों के बाहर पत्थर लगाकर बंद किया गया। लोगों के विरोध के मद्देनजर भारी पुलिस बल तैनात रहा। जिला प्रशासन ने गोहाना बीडीपीओ मनोज कौशल की बतौर मजिस्ट्रेट ड्यूटी नियुक्त किया गया। मनोज कौशल ने बताया कि बरोदा रोड स्थित रेलवे फाटक और महम रोड स्थित रेलवे फाटक के बीच में रेलवे लाइन के दोनों तरफ कई कालोनियां स्थित हैं। कालोनियों के सैकड़ों परिवारों ने अवैध रूप से दरवाजे लगा रखे थे। लोगों द्वारा अवैध रास्ते भी बना रखे थे। इन्हीं रास्तों के माध्यम से लोग रेलवे लाइन क्रासिंग करते रहते थे। अवैध रास्तों से आवारा जानवर रेलवे लाइन पर पहुंच जाते थे। जिससे हादसे होने की संभावना बनी रहती थी। गोहाना रेलवे स्टेशन जंक्शन बनने से ट्रेनों का आवागमन ज्यादा हो गया है। स्टेशन पर काफी मालगाड़ियां पहुंचती हैं। मालगाड़ियों को लोडिंग-अनलोडिंग करते समय समस्याएं आती हैं। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) पुलिस अधिकारी राजबीर ने बताया कि अवैध दरवाजों और रास्तों को बंद किया जा रहा है। इस दौरान शांति बनाए रखने के लिए हरियाणा पुलिस और आरपीएफ के एक सौ पुलिस कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

क्यों मनाई जाती है छड़ीमार होली?

हिंदू धर्म में होली का त्योहार बेहद ही खास माना गया है। रंगों का ये त्योहार मन को उल्लास से भरने वाला है। पूरे भारत में होली धूमधाम से मनाई जाती है। लेकिन भारत में एक ऐसी भी जगह है जहां पर होली का अलग ही जश्न देखने को मिलता है। वो है ब्रज की होली। यहां की होली को देखने देश-विदेश से लोग आते हैं। होली के कुछ दिन पहले से ही मथुरा में विभिन्न प्रकार की होली का जश्न शुरू हो जाता है। हर साल की तरह इस साल भी ब्रज में होली की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

मथुरा में लड्डू होली, फूलों की होली, लट्ठमार होली, रंगवाली होली और छड़ीमार होली का खूब जश्न मनाया जाता है। इसी कड़ी में आइए जानते हैं छड़ीमार होली की शुरुआत कब हुई और इसे मनाने के पीछे की परंपरा क्या है।

क्यों मनाई जाती है छड़ीमार होली?

ब्रज में लट्ठमार होली के अलावा कई तरह की होली का आयोजन किया जाता है। वहीं गोकुल में छड़ीमार होली का आयोजन होता है। दरअसल, भगवान कृष्ण का बचपन गोकुल में ही बीता था। मान्यता है छड़ीमार होली के दिन बाल कृष्ण के साथ गोपियां छड़ी हाथ में लेकर होली खेलती हैं, क्योंकि भगवान बालस्वरूप थे। इस भावमयी परंपरा के अनुरूप कहीं उनको चोट न लग जाए, इसलिए गोकुल में छड़ीमार होली खेली जाती है।

जैसा कि सब लोग जानते होंगे कि बचपन में कान्हा बड़े चंचल हुआ करते थे। गोपियों को परेशान करने में उन्हें बड़ा आनंद मिलता था। इसलिए गोकुल में उनके बालस्वरूप को अधिक महत्व दिया जाता है। इसलिए नटखट कान्हा की याद में हर साल छड़ीमार होली का आयोजन किया जाता है। इस दिन कान्हा की पालकी और पीछे सजी-धजी गोपियां हाथों में छड़ी लेकर चलती हैं।

गोकुल में छड़ीमार होली का उत्सव सदियों से चला आ रहा है। गोकुल की छड़ी मार होली खुद में एक अनोखी विरासत समेटे हुए हैं। प्राचीन परंपराओं का निर्वहन करते हुए आज भी हर साल छड़ी मार होली का आयोजन होता है, जिसमें गोकुल की छड़ी मार होली की शुरुआत यमुना किनारे स्थित नंदकिले के नंदभवन में ठाकुरजी के समक्ष राजभोग का भोग लगाकर होती है।

कहा जाता है कि होली खेलने वाली गोपियां 10 दिन पहले से छड़ीमार होली की तैयारियां शुरू कर देती हैं। गोपियों को दूध, दही, मक्खन, लस्सी, काजू बादाम खिलाकर होली खेलने के लिए तैयार किया जाता है। छड़ीमार होली देखने के लिए दूर-दराज से श्रद्धालु आते हैं।

रंगों तथा हँसी-खुशी का त्योहार है होली

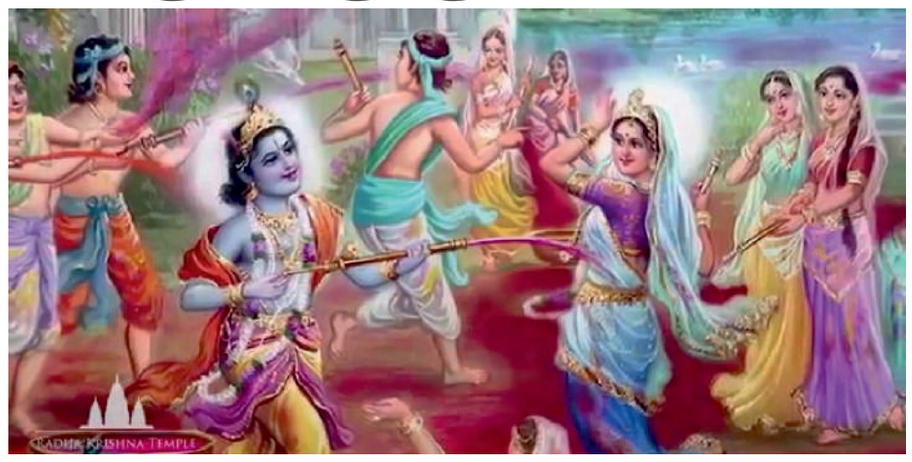

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्यौहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। होली रंगों का तथा हँसी-खुशी का त्योहार है। यह भारत का एक प्रमुख और प्रसिद्ध त्योहार है, जो आज विश्वभर में मनाया जाने लगा है। रंगों का त्यौहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता है। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहाँ भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता है।

पहले दिन होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते हैं। दूसरे दिन, जिसे प्रमुखतः धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं।

राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्यौहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग प्रारंभ हो जाता है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं।

बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूल कर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है।

गुझिया होली का प्रमुख पकवान है जो कि मावा (खोया) और मैदा से बनती है और मेवाओं से युक्त होती है इस दिन कांजी के बड़े खाने व खिलाने का भी रिवाज है। नए कपड़े पहन कर होली की शाम को लोग एक दूसरे के घर होली मिलने जाते है जहाँ उनका स्वागत गुझिया,नमकीन व ठंडाई से किया जाता है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

होली के पर्व से अनेक कहानियाँ जुड़ी हुई हैं। इनमें से सबसे प्रसिद्ध कहानी है प्रह्लाद की। माना जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकश्यप नाम का एक अत्यंत बलशाली असुर था। अपने बल के अहंकार में वह स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा था। उसने अपने राज्य में ईश्वर का नाम लेने पर ही पाबंदी लगा दी थी। हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद ईश्वर भक्त था। प्रह्लाद की ईश्वर भक्ति से नाराज होकर हिरण्यकश्यप ने उसे अनेक कठोर दंड दिए, परंतु उसने ईश्वर की भक्ति का मार्ग न छोड़ा।

हिरण्यकश्यप की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था कि वह आग में भस्म नहीं हो सकती। हिरण्यकश्यप ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठे। आग में बैठने पर होलिका तो जल गई, पर प्रह्लाद बच गया। ईश्वर भक्त प्रह्लाद की याद में इस दिन होली जलाई जाती है। प्रतीक रूप से यह भी माना जाता है कि प्रह्लाद का अर्थ आनन्द होता है। वैर और उत्पीड़न की प्रतीक होलिका (जलाने की लकड़ी) जलती है और प्रेम तथा उल्लास का प्रतीक प्रह्लाद (आनंद) अक्षुण्ण रहता है।

होलिका दहन की मुख्य कथा

होली से सम्बन्धित मुख्य कथा के अनुसार एक नगर में हिरण्यकश्यप नाम का दानव राजा रहता था। वह सभी को अपनी पूजा करने को कहता था, लेकिन उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का उपासक भक्त था। हिरण्यकश्यप ने भक्त प्रहलाद को बुलाकर राम का नाम न जपने को कहा तो प्रहलाद ने स्पष्ट रूप से कहा, पिताजी! परमात्मा ही समर्थ है। प्रत्येक कष्ट से परमात्मा ही बचा सकता है। मानव समर्थ नहीं है। यदि कोई भक्त साधना करके कुछ शक्ति परमात्मा से प्राप्त कर लेता है तो वह सामान्य व्यक्तियों में तो उत्तम हो जाता है, परंतु परमात्मा से उत्तम नहीं हो सकता।

यह बात सुनकर अहंकारी हिरण्यकश्यप क्रोध से लाल पीला हो गया और नौकरों सिपाहियों से बोला कि इसको ले जाओ मेरी आँखों के सामने से और जंगल में सर्पों में डाल आओ। सर्प के डसने से यह मर जाएगा। ऐसा ही किया गया। परंतु प्रहलाद मरा नहीं, क्योंकि सर्पों ने डसा नहीं।

प्रह्लाद की कथा के अतिरिक्त यह पर्व राक्षसी ढुंढी, राधा कृष्ण के रास और कामदेव के पुनर्जन्म से भी जुड़ा हुआ है। कुछ लोगों का मानना है कि होली में रंग लगाकर, नाच-गाकर लोग शिव के गणों का वेश धारण करते हैं तथा शिव की बारात का दृश्य बनाते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि भगवान श्री कृष्ण ने इस दिन पूतना नामक राक्षसी का वध किया था। इसी खुशी में गोपियों और ग्वालों ने रासलीला की और रंग खेला था।

प्रेस की स्वतंत्रता में अवरोध स्वीकार नहीं: पवन सहयोगी

आइएपीएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन सहयोगी, अर्जुन जैन व पवन नवरत्न उपाध्यक्ष व नरेन्द्र शर्मा परवाना महासचिव बने

हरियाणा उत्सव/ भंवर सिंह बोहत

दिल्ली: पत्रकारों की अग्रणी संस्था इंडियन एसोसियशन ऑफ प्रेस-एन-मीडियामैन की 15वीं वार्षिक आम सभा व राष्ट्रीय कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न हुए जिसमें वरिष्ठ पत्रकार पवन सहयोगी को एसोसिएशन का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की मांगों को सरकार के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने निम्न मांगे रखी।

पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने की मांग

एसोसियशन की आम सभा में सरकार द्वारा पत्रकारों के कार्यों में परोक्ष-अपरोक्ष रूप से अवरोध उत्पन्न करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया वहीं शीघ्र ही पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने की पुरजोर मांग की। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारों के प्रति सरकारों की उदासीनता निंदनीय है।

ग्रामीण अंचल व क्षेत्रीय पत्रकारों के हितों की रक्षा प्राथमिकता

नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन सहयोगी ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए ग्रामीण अंचल व क्षेत्रीय पत्रकारों के हितों की रक्षा को प्राथमिकता देनी है। प्रेस की स्वतंत्रता पर सरकारों द्वारा उत्पन्न किये जा रहे अवरोध चिन्ता का विषय हैं जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जायेगा। पत्रकारों के हितों के लिए एसोसियशन निरंतर कार्य करती रहेगी। उन्होने शीघ्र पत्रकार सुरक्षा कानून बनाये जाने पर जोर दिया।

पत्रकारों के हक की आवाज बनें

एसोसियशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी, प्रदेश इकाइयों व सभी प्रतिभागी पत्रकार सदस्यों का धन्यवाद करते हुए नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन सहयोगी ने कहा कि ग्रामीण अंचल व क्षेत्रीय पत्रकारों को एसोसियशन से जोडने व उनके हितों के लिए कार्य करना हमारी प्राथमिकता होगी। यह पत्रकार आये दिन पत्रकारिता कार्य में अनेक परेशानियों व उपेक्षाओं का सामना करते रहते हैं। मगर इनके हक की आवाज कभी प्रमुखता से नहीं उठाई जाती।

नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी

नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अर्जुन जैन व पवन नवरत्न को उपाध्यक्ष बनाया गया वहीं वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र शर्मा परवाना को एसोसियशन का महासचिव नियुक्त किया गया। सी.पी. सिंह, महेश कुमार शर्मा, जे. के. मिश्रा को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सचिव नियुक्त किया गया।

प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्यों ने दी बधाई

प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य प्रसन्ना मोहंती, विनोद कोहली, प्रज्ञानंद चौधरी, गुरिंदर सिंह व पूर्व सदस्य अशोक कुमार नवरत्न ने इस अवसर पर श्री सहयोगी को बधाई दी। इसके अलावा विभिन्न पत्रकार संगठनों व कई प्रतिष्ठित मीडिया हाउस के पत्रकारों ने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं ज्ञापित की हैं।

बांग्लादेश के हाई कमीशन का प्रतिनिधि मंडल सोनीपत में भ्रमण के लिए पहुंचा

-सोनीपत के स्वर्णप्रथ संग्रहालय के भ्रमण को विदेशों से पहुंच रहे पर्यटक

सोनीपत के एतिहासिक स्थल पर बांग्लादेश के प्रतिमंडल को भ्रमण करवाते हुए राजेश खत्री (दाएं से)

सोनीपत के स्वर्णप्रथ संग्रहालय का भ्रमण करने के बाद बांग्लादेश के प्रतिमंडल के साथ डीएसपी हंस राज व राजेश खत्री।

हरियाणा उत्सव/ भंवर सिंह बोहत

सोनीपत 12 मार्च 2022: बांग्लादेश के उच्चायुक्त (हाई कमीशन) का एक प्रतिनिधि मंडल भारत के हरियाणा प्रदेश के सोनीपत जिले के ऐतिहासिक स्थानों का भ्रमण करने पहुंचा। जिसमें स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय पर्यटकों को लुभा रहा है। हाई कमीशन के प्रतिनिधि मंडल में बांग्लादेश के उच्चायुक्त मुहम्मद इमरान के प्रतिनिधि मंडल के अधिकारियों व मंत्रियों की अर्द्धांगिनियां का विशेष रूप से स्वागत किया गया।

बंग्लादेश से पहुंचे इस प्रतिनिधिमंडल में खासतौर से डा. जाकिया हसनत इमरान, जाकिर अहमद, तनीशा नसरीन, लुत्फा बेगम, नाजिबा शबनम, निगत प्रवीण, इसरत जहान, अफरोजा हूसैन और अतिज्जामान खान शामिल रही।

इस दौरान ब्यूटीफिकेशन सोसाइटी की उपाध्यक्ष एवम एसडीएम शशि वसुंधरा और सोसायटी के सदस्य सचिव राजेश खत्री ने प्रतिनिधि मंडल को ऐतिहासिक स्थनों का भ्रमण कराते हुए, दरगाह शरीफ मामा भांजा पहुंचे और वहां पर श्रद्धा पूर्वक चद्दर चढ़ाई, उसके बाद वह इब्राहीम शाह लोदी के काल में 7 सितंबर 1522 में बनाए गए ख्वाजा खिज्र मकबरा के प्राचीन इतिहास को जाना।

इसके बाद वे सभी स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय में पहुंचे ब्यूटीफिकेशन सोसाइटी के सदस्य सचिव राजेश खत्री ने गुलाब का फूल देकर स्वागत किया। इस दौरान देश दनिया से पहुंचने वाले पर्यटकों के लिए स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय में तैयार हुई गैलरियो में डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल जहां किया गया ,वहीं महाभारत गैलरी में जो पेंटिंग लगाई गई है उसमें स्वर्ण महल, प्रवेश के 4 दरवाजे, महाभारत युद्ध से पहले निमित पांडव कालीन कुए, श्री कृष्ण, महाभारत युद्ध होने से पहले 5 गांव की दुर्योधन से मांग करते हुए दर्शाए गए हैं। इसी तरह से टेरापोटा गैलरी में सजे हजारों वर्ष पुराने मिट्टी से निर्मित बर्तन काफी आकर्षण का केंद्र रहने वाले हैं , वही पुलिस गैलरी में के अतिरिक्त शहीद और स्वतंत्रता सेनानियों जीबी गैलरी से संबंधित जानकारी दी गई।

इस दौरान बांग्लादेश उच्चायुक्त मुहम्मद इमरान के साथ मौजूद प्रतिनिधिमंडल में शामिल महिलाएं काफी खुश नजर आई और उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय वास्तव में है काफी प्रभावशाली है और वह अपने देश जाकर वहां इस ऐतिहासिक नगर और संग्रहालय से संबंधित जानकारी लोगों से साझा करेंगे। इस मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं प्रतिनिधि मंडल ने ब्यूटीफिकेशन के विजिटर रजिस्टर पर अपने कॉमेंट भी अंकित किए।

इस दौरान ब्यूटीफिकेशन सोसाइटी के सदस्य सचिव राजेश खत्री ने बताया कि संग्रहालय में खासतर से 13 गैलरी मौजूद है जिनमे से अब तक 6 गैलरी का कार्य है पूर्ण हो चुका है और 7 अन्य गैलरी का कार्य प्रगति पर है। लोगों द्वारा 100 वर्ष से लेकर 3000 हजार वर्ष पुरानी वस्तुएं निशुल्क उपलब्ध करवाई है जिनके कीमत 35 करोड से भी अधिक आंकी गई है। ब्यूटीफिकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष एवं डीसी सोनीपत ललित सिवाच के नेतृत्व में संपूर्ण संग्रहालय तैयार होने के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री से उद्घाटन करवाया जाएगा। संग्रहालय को दिव्यांग व्यक्ति भी देख सके इस तरह की व्यवस्था भी की जा रही है। इस दौरान डीएसपी हंसराज, तहसीलदार सोनीपत मनोज प्रणव, किशोरी लाल आदि मौजूद रहे।

शेर सिंह स्कूल के दस छात्रों ने प्राप्त की छात्रवृत्ति

हरियाणा उत्सव, गोहाना

केंद्रीय बोर्ड आफ स्कूल एजुकेशन (सीबीएएसई) द्वारा शनिवार को फर्स्ट टर्म की परीक्षा का परिणाम घोषित किया हे। जिसमें सोनीपत रोड स्थित शेर सिंह पब्लिक स्कूल के दस छात्रों ने छात्रवृत्ति प्राप्त की है। जिसमें 90 प्रतिशत अंकों के साथ यश मलिक ने स्कूल में पहले स्थान पर रहा। छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों को स्कूल स्कूल चेयरमैन महेंद्र सिंह मलिक ने बधाई दी।

उन्होंने कहा कि मेहनत सफलता की कुंजी होती है। छात्रों ने अपना व स्कूल का नाम रोशन किया है। उन्होंने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। स्कूल प्राचार्य जयवीर रुहिल ने बताया कि स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। स्कूल के दस छात्रों ने छात्रवृत्ति प्राप्त की है। जिसमें 90 प्रतिशत अंकों के साथ यश मलिक प्रथम, 85 प्रतिशत अंकों के साथ रौनक चहल दूसरे और 80 प्रतिशत अंकों के साथ अभिमन्यु ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर देवेश कुमार, अमित सिंह, सुमित कुमार, अंजलि जांगड़ा, रेणु बाला, प्रीति राणा, निशा शर्मा आदि मौजूद रहे।